अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रतिवेदन

विषयः- छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया व्याख्यान माला

दिनांकः- 07 फरवरी, 2023

//प्रतिवेदन//

विषयः अटल विश्व विद्यालय में छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया व्याखान माला का शुभारंभ

दिनांक 07.02.2023 को अपरान्ह 03:00 बजे अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कोनी स्थित भवन के सभागार में ''छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया'' व्याखान माला का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री शरद चन्द्र बेहार, पूर्व आई.ए.एस. और मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर जी.डी.शर्मा माननीय कुलपति, यू.एस.टी. मेघालय थे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति, आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी ने किया। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत भाषण देते हुए अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ.एच.एस.होता जी ने अपने उद्‌बोधन में कार्यक्रम के विषय की रूपरेखा रखी।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर जी.डी.शर्मा जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी ने अपने अल्प अवधि के कार्य काल में अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय बिलासपुर को पूरे देश में स्थापित कर दिया है। इसके कार्य को देखते हुए लग रहा है कि इस विश्व विद्यालय को नैक ग्रेडेशन में ए प्लस मिलेगा। मुख्य वक्ता श्री शरद चन्द्र बेहार पूर्व आई.ए.एस. और मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन ने अपने उद्‌बोधन में छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया विषय को विस्तार से व्याख्या किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कौन कहता है हम स्वयं या बाहर के लोग। छत्तीसगढ़ के मानव समाज में अन्य क्षेत्रों के लोगों से अधिक मानवीय मूल्यों जैसे सरलता, सादगी, ईमानदारी अतिथि सत्कार आदि गुण पाए जाते है इसलिए कहा जाता है कि ''छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया''। इस मानवीय मूल्यों को विकास और प्रगति के साथ बनाएं रखना होगा। कार्यक्रम के पूर्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत भाषण देते हुये माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रारंभ किये गये इस अभिनव पहल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान किया और कहा कि इस संबंध में और भी व्याख्यान भविष्य में आयोजित किये जायेंगे ताकि छत्तीसगढ़ियों की आत्म सम्मान में वृद्धि हो तथा हम यहां के कला, संस्कृति, खानपान, वेषभूषा आदि के संबंध से परिचित हो सके।

अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति, आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम की शुरुआत श्री बेहार जी और प्रोफेसर जी. डी. शर्मा जी के व्याख्यान से होना, इस व्याख्यान माला की सफलता की बुनियाद है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि गुप्ता ने और धन्यवाद् ज्ञापन डॉ. मनोज सिन्हा समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव श्री शैलेन्द्र दुबे, उपकुलसचिव श्रीमती नेहा यादव, श्रीमती नेहा राठिया, सहायक कुलसचिव श्री रामेश्वर राठौर, श्री फखरूद्दीन कुरैशी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पी.के. पाण्डेय, वित्ताधिकारी श्री अलेक्जेंडर कुजुर, डॉ सीमा बेरोलकर, डॉ लतिका भाटिया, डॉ सुमोना भट्टाचार्य, डॉ कलाधर, डॉ जीतेन्द्र गुप्ता, डॉ हैरी जार्ज, डॉ हामिद अब्दुल्ला, डॉ सौमित्र तिवारी, डॉ रेवा कुलश्रेष्ठ, श्री गौरव साहू, श्री यशवंत कुमार पटेल, डॉ धर्मेंद्र कश्यप, सौम्या तिवारी, आकृति

सिसोदिया, भुवन वर्मा, डॉ तारणीश गौतम, डॉ तरूण धर दीवान सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी गण उपस्थित थे।